साभार: नासा

इस वर्ष अमेरिकी नौसेना की 40 वर्षीय कमांडर सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में उड़ान भरने वाली भारतीय मूल की दूसरी अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बन जाएंगी। नासा की 2 मई की घोषणा के अनुसार वह तीन व्यक्तियों के दल की सदस्य के तौर पर अंतरिक्ष शटल में जाएंगीं और कई महीने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (स्पेस स्टेशन) पर गुजारेंगी। सुनीता दल की फ्लाइट इंजीनियर होंगी। वर्ष 1998 में उन्हें अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री के रूप में स्वीकारा गया। इंजीनियरिंग प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त सुनीता कुशल हेलिकॉप्टर पायलट हैं। उन्होंने मॉस्को में अंतरिक्ष केंद्र पर काम करने वाली रोबोट चालित बांह के संचालन का प्रशिक्षण पाया। वह अपने पति माइकल जे. विलियम्स के साथ मैसाच्युसेट्स के नीडहम कस्बे में रहती हैं। गुजरात में जन्मे उनके स्नायु विशेषज्ञ पिता डॉ. दीपक पांड्या और उनकी मां बॉनी उनके करीब ही रहते हैं। भारतीय मूल की पहली अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला थीं जिनकी अंतरिक्ष शटल कोलंबिया पर 1 फरवरी 2003 को मौत हो गई।

विकास नल्ला

स्वयंसेवी संगठन फैमिली हैल्थ इंटरनेशनल ने अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) के सहयोग से 30 मार्च को नई दिल्ली में एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम और उसके बारे में जागरूकता बढ़ाने वाली और बच्चों को समझ में आ सकने वाली सामग्री बांटी। यंग वीमेन्स क्रिश्चियन एसोसिएशन, सलाम बालक ट्रस्ट और शरण समूह के सहयोग से विकसित यह सामग्री झोंपड़पट्टियों और बेघर बच्चों की जरूरतों के अनुरूप है। यूएसएड के मिशन डायरेक्टर जॉर्ज डीकन (बांए) और एफएचआई इंटरनेशनल के मुख्य कार्यकारी (सीईओ) अल्बर्ट सीमैन्स (बीच में) ने नजफगढ़, नई दिल्ली स्थित वाई.डब्ल्यू.सी.ए. फैमिली सर्विस सेंटर में बच्चों से बातचीत की।

# समाचार गुलदस्ता

छह साल पहले मंदसौर, मध्य प्रदेश के मंदिर से चोरी हुई 9वीं-10वीं सदी की एक मूर्ति दिसंबर 2005 में न्यूयॉर्क की एक कलादीर्घा से बरामद करके भारतीय अधिकारियों को सौंप दी गई। 17 अप्रैल 2006 को न्यूयॉर्क में आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग के विशेष एजेंट मार्टिन डी. फ्रिक ने भगवान विष्णु के वाराह अवतार की 133 किलोग्राम वजन वाली मूर्ति भारतीय वाणिज्य दूत नीलम देव को सौंपी।

मोहम्मद आमर/प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया

विकास नल्ला

अमेरिका के दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के सहायक मंत्री रिचर्ड ए. बाउचर ने 7 अप्रैल, 2006 को नई दिल्ली में अमेरिका-भारत मैत्री के विभिन्न आयामों के बारे में सीआईआई के सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने भारत की आर्थिक तरक्की की प्रशंसा की लेकिन साथ ही कहा कि रिटेल, बीमा और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में भारत में और उदारीकरण की जरूरत है। बाउचर के अनुसार अमेरिका में इन दिनों ऐसा मुश्किल है कि आप कोई पत्रिका खोलें और भारत में व्यापार के अवसरों, भारतीय उद्यमियों और भारतीय अमेरिकियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अदा की जा रही भूमिका के बारे में लेख से रूबरू न हों। उन्होंने कहा कि आने वाले सालों में लोग जब भारत-अमेरिका संबंधों की चर्चा करेंगे तो याद करेंगे कि इक्कीसवी शताब्दी के पहले दशक में दोनों देशों के संबंधों ने व्यापकता अख्तियार की।